साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 117 | जौनपुर, सोमवार, 16 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आदित्य ठाकरे ने दादर हनुमान मंदिर में महाआरती की

मुंबई ,(एजेंसी)। एक मंदिर को गिराने के लिए रेलवे के नोटिस जारी करने को लेकर हुए विवाद के बीच शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को दादर स्टेशन के बाहर स्थित हनुमान मंदिर में महाआरती की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मंगल प्रभात लोढ़ा ने इससे पहले दिन में दावा किया था कि उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की है और मंदिर के खिलाफ कार्रवाई रोक दी गई है। आदित्य शाम को मंदिर पहुंचे और महाआरती की। इस दौरान उनके साथ पार्टी नेता अनिल देसाई, संजय राउत और कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इससे पहले, पत्रकारों से बात करते हुए आदित्य ने इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह हिंदुत्व की विचारधारा का इस्तेमाल केवल वोट पाने के लिए करती है। उन्होंने कहा कि हालांकि, रेलवे ने तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी है, लेकिन उसे नोटिस वापस लेना चाहिए। रेलवे ने मंदिर के न्यासीध पुजारी को चार दिसंबर को भेजे नोटिस में कहा था कि यह ढांचाअतिक्रमण कर बनाया गया है और उसकी स्वामित्व वाली भूमि पर बिना अनुमति के निर्माण किया गया है।

नीतीश ने मणिपुर में बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की हत्या पर शोक जताया

पटना,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये रविवार को मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। गोपालगंज जिले के निवासी लक्ष्मण कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की शनिवार शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई। निर्माण कार्य से जुड़े ये मजदूर काकचिंग में किराए के मकान में रहते थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि नीतीश कुमार मणिपुर में बिहार के लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार की हत्या से दुखी हैं। उन्होंने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर में बिहार निवासियों की हत्या पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना में दिवंगत लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो–दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया है।

सच बोलने वालों को महाभियोग की धमकी दी जाती है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव के खिलाफ महाभियोग नोटिस देने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो कोई भी सच बोलता है उसे इस तरह ''धमकाया'' जाता है। यहां 'वर्ल्ड हिंदू इकॉनोमिक फोरम 2024' को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का भी आरोप लगाया। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''जो कोई भी सच बोलता है, ये लोग उस पर महाभियोग (प्रस्ताव) के साथ दबाव डालते हैं, और फिर भी वे संविधान की बात करते हैं। उनके दोहरे मापदंड देखें।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा कि समान नागरिक संहिता होनी चाहिए, और दुनिया भर में बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं का सम्मान किया जाता है।'' उन्होंने पूछा कि अगर कोई व्यक्ति इन विचारों को व्यक्त करता है तो उसका क्या अपराध है। आदित्यनाथ ने कहा, ''क्या देश में समान नागरिक संहिता नहीं होनी चाहिए? दुनिया भर में व्यवस्था उसी के अनुसार चलती है जो बहुसंख्यक समुदाय कहता है और भारत कह रहा है कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदाय के बीच भेदभाव समाप्त होना चाहिए। वे (कांग्रेस) दबाव बनाएंगे, क्योंकि संविधान का गला घोंटकर देश की व्यवस्था को नियंत्रित करना उनकी पुरानी आदत है।

पराली जलाने के लिए व्यवस्थित समाधान की आवश्यकता : उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उपा ध यक्ष जगदीप धनखड़ ने शनिवार को पराली जलाने से निपटने के लिए एक व्यवस्थित समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि 'हमारी लापरवाही लोगों के जीवन को खतरे में डालती है।' राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह को संबोधि ात करते हुए धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी हर साल पराली जलाने से उत्पन्न खतरनाक पर्यावरणीय परिस्थितियों से पीड़ित होती है। उन्होंने कहा कि समाज को नवाचार को अपनाना चाहिए और इसे व्यक्तियों पर छोड़ने के बजाय एक व्यवस्थित समाधान की तलाश करनी चाहिए। धनखड़ ने कहा, "तंत्र को परिपक्व होना चाहिए... हमारी लापरवाही हमें कई तरह से खतरे में डाल रही है। एक तो हमारा स्वास्थ्य। दूसरा, काम के घंटों का नुकसान। तीसरा, सामान्य जीवन में व्यवधान और चौथा, हमें अपने बच्चों का ख्याल रखना होगा।" उन्होंने पराली जलाने के लिए एक व्यवस्थित समाधान खोजने का आह्वान किया और कहा कि इसे व्यक्तियों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "जलवायु परिवर्तन जैसी खतरनाक समस्या सामाजिक बाधाओं को मिटा देती है। अमीर या गरीब, शहरी या ग्रामीण। हमें एक साथ काम करना चाहिए, या हम एक साथ नष्ट हो जाएंगे।" लोकाचार और पारंपरिक ज्ञान का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा, "हमारा सभ्यतागत ज्ञान एक विरासत है, और मैं कहूंगा कि एक तरह से इस जलवायु आपातकाल के लिए उत्तरजीविता मैनुअल, विश्वकोश है।

बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने पर 'माई-बहिन मान योजना' : तेजस्वी यादव

बिहार,(एजेंसी)। विपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को सरकार बनने पर श्माई बहिन मान योजनाश शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने दरभंगा में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनती है तो श्माई–बहिन मान योजनाश शुरू की जाएगी, जिसके तहत महिलाओं के उत्थान के लिए प्रति माह 2,500 रुपए दिए जाएंगे। दरभंगा में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार का नवनिर्माण महिलाओं की समृद्धि के बिना नहीं होगा। योजना के तहत बिहार की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में प्रत्येक महीने 2,500 रुपए हस्तांतरण किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगी। महंगाई के कारण आज महिलाएं न अपने पसंद का कपड़ा पहन पा रही हैं और न खाना खा पा रही हैं। इस योजना के पैसे महिलाएं परिवार की भलाई, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च कर सकेंगी। इस योजना से महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी। बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरे बिहार में अफसरशाही सिर चढ़कर बोल रही है। यहां के अधिकारी नौजवानों पर हाथ, पैर, लाठी सब चला रहे हैं। बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' देश के लिए जरूरी है : उपेंद्र कुशवाहा

लखीसराय,(एजेंसी)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा इन दिनों बिहार की यात्रा पर हैं। यात्रा के आठवें चरण में वह गुरुवार को लखीसराय पहुंचे, जहां उन्होंने श्वन नेशन, वन इलेक्शनश का समर्थन करते हुए इसे देश के लिए जरूरी बताया। उन्होंने यहां तक कहा कि विपक्ष को भी इसका समर्थन करना चाहिए। लखीसराय समाहरणालय स्थित जिला अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि श्वन नेशन, वन इलेक्शनश से देश में संसाधनों और समय की बचत होगी। उन्होंने विपक्षी दलों से भी इस पहल को समर्थन देने की अपील की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रस्तावित श्महिला संवाद यात्राश पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा उठाए जा रहे सवालों के जवाब में सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जो सीधे जनता के संपर्क में रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राउंड जीरो पर जाकर योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए इस यात्रा पर निकल रहे हैं। जनता के बीच संवाद स्थापित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को इस पहल की सराहना करनी चाहिए, ना कि सवाल उठाने चाहिए। उन्हें मुख्यमंत्री के इस प्रयास का आभार व्यक्त करना चाहिए क्योंकि यह जनता के हित में है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए आगे कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में विकास को जो गति दी है, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने मुख्यमंत्री की योजनाओं को जमीन पर लागू करने के तरीके की प्रशंसा की और इसे प्रशासनिक पारदर्शिता का उदाहरण बताया। उपेंद्र कुशवाहा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क में जुटे हैं। इस दौरान उपेंद्र कुशवाहा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं और उनसे सक्रिय रहने की अपील कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी की आखिरी सूची जारी, केजरीवाल-सिसोदिया ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने आगामी दिल्ली विध ानसभा चुनाव के लिए अपनी चौथी और आखिरी सूची जारी कर दी है। आप की इस सूची में 38 उम्मीदवारों के नाम हैं। सूची के मुताबिक, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल अपने वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे। दिल्ली की वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी से और मंत्री सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश से चुनाव लड़ने वाले हैं। केजरीवाल, आतिशी और भारद्वाज के अलावा मंत्री गोपाल राय बाबरपुर से, सत्येन्द्र कुमार जैन शकूर बस्ती से, दुर्गेश पाठक राजिंदर नगर से, रमेश पहलवान कस्तूरबा नगर से, नांगलोई जट से रघुविंदर शौकीन, सदर बाजार से सोम दत्त, बल्लीमारान से इमरान हुसैन, तिलक नगर से जरनैल सिंह चुनाव लड़ेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आप द्वारा जारी की गयी अंतिम सूची पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। इसी के साथ उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, श्बीजेपी गायब है। उनके पास ना ब्ड चेहरा है, ना टीम है, ना प्लानिंग है और ना दिल्ली के लिए कोई विजन है। उनका केवल एक ही नारा है, केवल एक ही नीति है और केवल एक ही मिशन है– केजरीवाल हटाओ। उनसे पूछो 5 साल क्या किया, तो वो जवाब देते हैं– केजरीवाल को खूब गाली दी। केजरीवाल ने अपनी पार्टी के कामों का जिक्र करते हुए कहा, श्हमारी पार्टी के पास दिल्ली वालों के विकास के लिए विजन है, प्लान है और उसे लागू करने के लिए पढ़े लिखे लोगों की एक अच्छी टीम है। पिछले दस सालों में किए कामों की लंबी लिस्ट है। आज आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। मनीष सिसोदिया ने एक्स हैंडल पर लिखा, श्दिल्ली की सभी 70 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही, आम आदमी पार्टी ने चुनाव में पूरी ताकत से कदम रख दिया है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम जनता के बीच जा रहे हैं यह मांगने कि हमें 5 और साल दिए जाएं ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, और पानी पर हुए अच्छे कामों को और आगे बढ़ा सकें। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, श्दूसरी ओर, बीजेपी अब भी भ्रमित है। न उनके पास कोई मुद्दा है, न कोई नेता, और न ही दिल्लीवालों के लिए कोई उम्मीद। केजरीवाल ही उम्मीद हैं,।

चुनाव में कम समय और कम खर्च देश के लिए फायदेमंद : मनीषा कायंदे

मुंबई,(एजेंसी)। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र विधान परिषद सदस्य मनीषा कायंदे ने शनिवार को आईएएनएस से बात करते हुए श्वन नेशन, वन इलेक्शनश पर प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने कहा कि अगर देश के हित में कोई फैसला लिया जाता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है और समय की बचत होती है, तो उसे लागू किया जाना चाहिए। इस पर विपक्ष की ओर से सवाल उठाए जाने पर उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम है सवाल उठाना, और उन्हें यह करने देना चाहिए। मनीषा कायंदे ने श्वन नेशन, वन इलेक्शनश के मुद्दे पर कहा कि अगर इस कदम से देश की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है और चुनावों में समय और धन की बचत होती है, तो इसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष को संसद में सवाल उठाने का अधिकार है, लेकिन अगर यह देश के हित में है, तो इसे लागू किया जाना चाहिए। चुनावों में कम समय और कम खर्च करना देश के लिए फायदेमंद होगा, यह कदम देश की समग्र प्रगति के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। भाजपा नेता आशीष शेलार ने मुंबई नगर निगम कमिश्नर भूषण गगराणी को पत्र लिखकर सड़क सीमेंटिंग परियोजना में घटिया गुणवत्ता की सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। इस मामले पर मनीषा कायंदे ने कहा कि उन्हें पत्र की पूरी जानकारी नहीं है, इसलिए वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि बीएमसी आयुक्त इस मुद्दे पर जवाब देंगे और यह मामला वहीं सुलझेगा। मुंबई में हनुमान मंदिर को लेकर रेलवे द्वारा नोटिस जारी करने के बाद उद्धव ठाकरे के बयान पर मनीषा कायंदे ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने कुछ साल पहले एक नारा दिया था कि श्मंदिर पहले, फिर सरकारश। अब राम मंदिर अयोध या में बन चुका है और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं।

बंगाल के छात्रों का सिविल सेवा परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन : ममता

बंगाल,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले सिंचन स्निग्धा अध िकारी और बिल्टू माजी को शनिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने पर उनकी सरकार ने जोर दिया है, जिसका परिणाम सामने आ रहा है। बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के छात्र सिविल सेवा परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और वे भारतीय नौकरशाही का नेतृत्व करेंगे। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुझे खुशी है कि इस साल यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में बंगाल के दो अभ्यर्थियों ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया है। मैं दो सफल विजेताओं – सिंचन और बिल्टू को बधाई देती हूं। मैं यह भी देखती हूं कि अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अपने बच्चों को प्रोत्साहित करने पर हमारा जोर ठोस परिणाम दे रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे छात्र आईएएस और आईपीएस परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। राज्य सरकार का सत्येंद्रनाथ टैगोर सिविल सेवा अध्ययन केंद्र पहले से ही युवा और महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र है, जो इन परीक्षाओं के लिए अत्यधिक सब्सिडी वाली उच्चस्तरीय मदद चाहते हैं। वे फिर से भारतीय नौकरशाही का नेतृत्व करेंगे। '' भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा के नतीजे शुक्रवार को घोषित किए गए। सिंचन और माजी ने क्रमशरू पहला और दूसरा स्थान हासिल किया।

मंत्रिमंडल में नए चेहरे शामिल करेगी भाजपा शिवसेना-एनसीपी के ये विधायक ले सकते हैं शपथ

महाराष्ट,(एजेंसी)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार का कैबिनेट विस्तार आज शाम 4 बजे नागपुर में होने वाला है। इन सब के बीच चर्चाओं का दौर जारी है कि किसे महायुति मंत्रिमंडल में जगह मिलने वाली है और किसे नहीं। सूत्रों ने दावा किया है कि आज महायुति के 39 मंत्री शपथ ले सकते हैं। सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि भाजपा नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल करने वाली है। इसके अलावा सूत्रों ने बताया है कि शिवसेना और एनसीपी के कई विधायकों को मंत्रिपरिषद में शामिल किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि भाजपा के विधायक नितेश राणे, शिवेंद्र राजे, गिरीश महाजन, मेघना बोर्डिकर, पंकजा मुंडे, जयकुमार रावल और मंगल प्रभात का मंत्रिमंडल में शामिल होना लगभग तय है। इसके अलावा बताया जा रहा है कि भाजपा अपनी 20 सीटों में से कुछ को अभी खाली रख सकती है क्योंकि पार्टी भविष्य में अपने मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय भाजपा के पास ही रहेगा। महायुति में शामिल शिवसेना की बात करें तो पार्टी के 13 विधायकों के शपथ लेने की उम्मीद है। मंत्री पद की शपथ लेने वाले विधायकों में उदय सामंत, शंभूराजे देसाई, गुलाबराव पाटिल, दादा भूसे और संजय राठौड़, संजय शिरसाट, भरत गोगावाले, प्रकाश अबितकर, योगेश कदम, आशीष जायसवाल और प्रताप सरनाईक का नाम शामिल है। महायुति गठबंधन की तीसरी पार्टी एनसीपी के अदिति तटकरे, बाबासाहेब पाटिल, दत्तात्रेय भराणे, हसन मुश्रीफ और नरहरि जिरवाल उन लोगों में शामिल हैं, जिनके मंत्री पद की शपथ लेने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के दोनों सहयोगी दलों को वही विभाग मिल सकते हैं जो उनके पास पिछली महायुति सरकार में थे। हालांकि, शिवसेना को एक अतिरिक्त मंत्रालय दिया जा सकता है।

संपादकीय

बौद्धिक संपदा में भारत की छलांग

पिछले पांच वर्षों में प्रस्तुत किए जाने वाले पेटेंट और औद्योगिक डिजाइनिंग दाखिल करने में भारत छलांग मार कर दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है। ज्ञान से हासिल बौद्धिक संपदा को अपने नाम कराने में भारत की यह बड़ी उपलब्धि है। बौद्धिक संपदा का अधिकार मानव मस्तिष्क द्वारा सृजन को प्रदर्शित करता है। विश्व बौद्धिक संपदा (डब्ल्यू आइपीओ) की रपट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत की ओर से दाखिल किए गए पेटेंट की संख्या 64,480 थी। |सेव लंक – प्रियंका गांधी वाड्रा की इंदिरा गांधी से अनोखी समानता भाजपा के लिए चिंता का विषय पेटेंट दाखिल करने में वृद्धि 2022 की तुलना में 15.7 फीसद थी। 2023 में दुनिया में 35 लाख से अधिक पेटेंट दाखिल किए गए। यह लगातार चौथा वर्ष था, जब वैश्विक पेटेंट जमा कराने में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष सबसे ज्यादा 6.40 लाख पेटेंट चीन ने प्रस्तुत किए, जबकि अमेरिका 5,18,364 । ही पेटेंट दाखिल करा पाया। इसके बाद जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और फिर भारत का स्थान हैं। पेटेंट दाखिल करने में एक और विशेष बात रही कि सबसे ज्यादा पेटेंट एशियाई देशों ने कराए। वर्ष 2023 में वैश्विक पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन दाखिल करने में एशिया की हिस्सेदारी क्रमशः 68.7 फीसद, 66.7 फीसद और 69 फीसद रही। इनमें आविष्कार, साहित्यिक और कलात्मक कार्य, डिजाइन, प्रतीक, नाम और वाणिज्य के क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली छवियां शामिल हैं। डब्लूआइपीओ की स्थापना संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के रूप में की गई थी। व्यक्ति किसी चीज की खोज करता है, तो उसे अपनी पेटेंट करा लेता है। कंपनियां भी यही करती क संपदा बताते हुए पट्ट हैं। मसलन, उत्पाद और इसे बनाने की विधि को कोई और उनकी इजाजत के बिना उपयोग नहीं कर सकता। पश्चिमी देशों द्वारा लाया गया पेटेंट एक ऐसा कानून है, जो व्यक्ति या संस्था को बौद्धिक संपदा का अधिकार देता है। मूल रूप से यह कानून भारत जैसे विकासशील देशों के पारंपरिक ज्ञान को हड़पने के लिए लाया गया, क्योंकि यहां जैव विविधता के अकूत भंडार होने के साथ, उनके नुस्खे मानव और पशुओं के स्वास्थ्य लाभ से भी जुड़े हैं। अध्ययन करके उनमें मामूली फेरबदल कर उन्हें एक वैज्ञानिक शब्दावली दे दी जाती है और फिर पेटेंट के जरिए इस ज्ञान को हड़प कर इसके एकाधिकार चंद लोगों के सुपुर्द कर दिए जाते हैं। यही वजह है कि वनस्पतियों से तैयार दवाओं की बिक्री करीब तीन हजार अरब डालर तक पहुंच गई है। हर्बल या आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर सबसे ज्यादा दोहन भारत की प्राकृतिक संपदा का हो रहा है। आयुर्वेद में पश्चिमी देश इसलिए रोड़ा अटकाते हैं कि कहीं उनका एकाधिकार टूट न जाए! अब तक वनस्पतियों की जो जानकारी वैज्ञानिक हासिल कर पाए हैं, उनकी संख्या लगभग ढाई लाख है। इनमें से 50 फीसद उष्णकटिबंधीय वन–प्रांतरों में उपलब्ध हैं। भारत में 81 हजार वनस्पतियां और 47 हजार प्रजातियों के जीव–जंतुओं की पहचान सूचीबद्ध है। अकेले आयुर्वेद में पांच हजार से भी ज्यादा वनस्पतियों का गुण दोषों के आधार पर मनुष्य जाति के लिए क्या महत्त्व है, इसका विस्तार से विवरण मिलता है। ब्रिटिश वैज्ञानिक राबर्ट एम ने जीव और वनस्पतियों की दुनिया में कुल 87 लाख प्रजातियां बताई हैं। दवाइयां बनाने वाली विदेशी कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर हैं। इसलिए 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में कुछ संशोधन किए गए। विश्व बैंक ने अपनी एक रपट में कहा था कि श्नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देसी ज्ञान को महत्त्व और मान्यता नहीं देता, बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देसी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है। इसी क्रम में सबसे पहले भारतीय पेड़ नीम के औषधीय गुणों का पेटेंट अमेरिका और जापान की कंपनियों ने कराया था।

देश की तरक्की हेतु जरूरी है ऊर्जा आत्मनिर्भरता

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले लगभग दो साल से यूक्रेन–रूस युद्ध जारी है। इस्राइल का हमास (फलस्तीन) दृ ईरान हिज्बुल्ला के बीच भी संघर्ष चल रहा है। पूरे पश्चिम एशिया में अशांति का दौर जारी है। इन युद्ध और संघर्षों के कारण से अभी भी यूरोप बिजली, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत तो अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। भारत काफी सालों से अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करता जा रहा है। पिछले दिनों एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 10 अक्तूबर तक 200 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है कि देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट है, जिसमें लगभग आधी हिस्सेदारी अक्षय ऊर्जा स्रोतों की हो गई है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार अक्षय ऊर्जा के मामले में सौर ऊर्जा देश में पहले स्थान पर है। सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में आज भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है। सौर ऊर्जा के बाद नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक विकास पवन ऊर्जा का हुआ है। देश में इसकी स्थापित क्षमता 47.36 गीगावाट है। आज पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में भारत चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर है। किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए ऊर्जा का सतत और निर्बाध प्रवाह बहुत जरूरी है। देश में प्रति व्यक्ति औसत ऊर्जा खपत वहां के जीवन स्तर का सूचक होती है। बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए हमारी ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। द्रुतगति से देश के विकास के लिए औद्योगीकरण, परिवहन और कृषि के विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए ऊर्जा की भी आवश्यकता है। देश में बिजली की मांग भी वर्तमान उपलब्धता से कहीं अधिक है। आवश्यकता के अनुरूप बिजली का उत्पादन नहीं हो रहा है। कोविड महामारी का दुष्प्रभाव लगभग खत्म होने के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आई है जिस कारण से बिजली की मांग भी बढ़ी है। आने वाले समय में भारत में बड़ा बिजली संकट पैदा हो सकता है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर–अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है। ऊर्जा उत्पादन के साथ–साथ ऊर्जा संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा। अपना भविष्य उज्ज्वल बनाए रखने के लिए वर्तमान परिस्थितियों में सभी तरह की ऊर्जा तथा ईंधन की बचत अत्यंत आवश्यक है। आज हम बचत करेंगे तो ही भविष्य सुविधाजनक रह पाएगा। दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है, लेकिन ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। वस्तुतरू ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। भोजन, प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार, सुख संसाधन, पर्यटन जैसी आवश्यकताओं में भी ऊर्जा के विभिन्न रूपों ने हमारी जीवनशैली में अनिवार्य स्थान बना लिया है। इन सबमें भी बिजली ऊर्जा का एक ऐसा प्रकार है जो सबसे सुगमता से हर कहीं सदैव हमारी सुविधा हेतु सुलभ है। यही कारण है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों को बिजली में बदलकर ही उपभोग किया जाता है। वास्तव में यदि ऊर्जा का उपयोग सोच–समझ कर नहीं किया गया तो इसका भंडार जल्द ही समाप्त हो सकता है। प्रकृति पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही हमारी भावी पीढ़ियों का भी है। जब हम अपने पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों के फल खाते हैं, उनकी संजोई धरोहर का उपभोग करते हैं तो हमारा नैतिक दायित्व है कि हम भविष्य के लिए भी नैसर्गिक संसाधनों को सुरक्षित छोड़कर जाएं, कम से कम अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका दुरुपयोग न करें, अन्यथा भावी पीढ़ी और प्रकृति हमें कभी माफ नहीं करेगी। आज भारत 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' का सफल नेतृत्व कर रहा है। परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों और भविष्य में इसके समाप्त होने के भय का समाधान अक्षय ऊर्जा में ही निहित है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा में सकारात्मक प्रगति के बावजूद भारत की जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता 'नेट जीरो' के लक्ष्य में बाधक बन सकती है। 'पंचामृत' पहल के तहत केंद्र सरकार सीओपी–26 सम्मेलन में घोषित कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करने, 2030 तक गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक ले

जाने, अपनी ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने, अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा 2070 तक 'नेट जीरो' कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में प्रतिबद्धता से जुटी है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की इंदिरा गांधी से अनोखी समानता भाजपा के लिए चिंता का विषय

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा को सदन में अपना पहला भाषण देते हुए देखने के लिए लोकसभा की दर्शक दीर्घा में बैठी थीं। रॉबर्ट वाड्रा, जो अपनी पत्नी के पदचिन्हों पर चलने का अवसर तलाश रहे हैं, भी मौजूद थे। लेकिन उनके परिवार के सदस्यों से कहीं अधिक, नेहरू–गांधी परिवार से संसद में नवीनतम प्रवेश करने वाले इस सदस्य पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की सदन के अंदर गहरी नजर थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन के फर्श पर ध्यानपूर्वक बैठे हुए गांधी वाड्रा को बोलते हुए देख रहे थे। गांधी वाड्रा से सावधान न रहने के बारे में सभी बाहरी डींगों के बावजूद, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभी भी नेहरू–गांधी परिवार को एक दुर्जेय राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते हैं। निजी तौर पर, कई आरएसएस–भाजपा नेता मानते हैं कि कांग्रेस और नेहरू–गांधी परिवार क्षेत्रीय दलों की तुलना में उनके प्रभुत्व के लिए अधिक शक्तिशाली खतरा पैदा करते हैं। गांधी वाड्रा और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के बीच अनोखी समानता को देखते हुए, भाजपा प्रबंधकों को लगता है कि उन्हें उन पर नजर रखनी चाहिए। गांधी वाड्रा केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के तुरंत बाद बोलने के लिए उठीं तो वे घबराई हुई दिखीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना संयम वापस पा लिया। भाषण के बाद, भाजपा नेताओं ने स्वीकार किया कि वे उन्हें हल्के में नहीं ले सकते। जान जबकि शुष्क बिहार में तापमान गिर रहा है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा (महिलाओं से बातचीत करने के लिए एक राज्यव्यापी दौरा) पर निकल पड़े हैं, उनके सलाहकार और शुभचिंतक चिंतित हैं। कुमार अपने दौरे की शुरुआत चंपारण से करने वाले हैं, जो नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर है। लेकिन कानून प्रवर्तन एजेंसियां च्चंपारण से रोजाना हजारों लीटर अवैध शराब जब्त कर रही हैं। जबकि यह सर्वविदित है कि 2016 में लागू किया गया निषेध राज्य में विफल रहा है, जनता दल (यूनाइटेड) के मंत्री इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जब कुमार को उनकी नीति की विफलता के बारे में बताया जाएगा तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी। अगर उनके दौरे के दौरान शराब से संबंधित मौतें होती हैं तो यह और भी बुरा होगा। शादियों को फिर से परिभाषित क्यों करना चाहिए? "मुख्यमंत्री का मानना है कि निषेध सफल रहा है और इसने समाज में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने शराब पर प्रतिबंध इसलिए लगाया क्योंकि महिलाओं ने इसकी मांग की थी। उनका दौरा महिलाओं पर केंद्रित होगा और वे शराबबंदी को उनकी सफलता के रूप में पेश कर सकते हैं। हम नहीं चाहते कि कोई गड़बड़ी इसे बिगाड़े,श् कुमार के करीबी एक वरिष्ठ मंत्री ने खुलासा किया। हालांकि, कुछ मंत्री और अधिकारी इस बात पर अड़े हुए हैं कि राज्य में शराबबंदी के सफल होने की संभावना नहीं है क्योंकि इसकी सीमा नेपाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड और बंगाल से लगती है और अब समय आ गया है कि बदलाव की हवा चल रही है पिछले कुछ सालों में बिहार में कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। लेकिन लोगों ने हाल ही में हवा में एक सूक्ष्म बदलाव महसूस करना शुरू कर दिया है। पिछले महीने राज्य में कम से कम छह ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों को गिरफ्तार किया, घायल किया या उन्हें मार गिराया। हाल ही में एक बैंक लुटेरे और अपहरणकर्ता को पकड़ा गया, जो बिहार से हरियाणा तक फैले क्षेत्र में सक्रिय था। इससे लोगों को यह विश्वास हो गया है कि राज्य पुलिस शराबबंदी के अपने सुस्त क्रियान्वयन के बावजूद अभी भी कार्रवाई कर सकती है। राजनेताओं ने भी माहौल में बदलाव महसूस करना शुरू कर दिया है। कुमार के एक वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी ने कहा, श्यपराध नियंत्रण राजनीतिक इच्छाशक्ति से आता है और हमारे मुख्यमंत्री में इसकी कोई कमी नहीं है। वे वही व्यक्ति हैं जिन्होंने बिहार को श्जंगल राजश की गंदगी से निकाला। वे हाल के दिनों में देश के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कठोर तरीके से अपराध पर लगाम लगाई है। हमें यकीन है कि वे हमारे राज्य के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर नजर रख रहे हैं।श् ऐसा लगता है कि कुमार जल्द ही त्वरित न्याय देने के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरेंगे। खराब उदाहरण हाल ही में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा अपने राज्य को विकास के लिए एक आदर्श और देश के बाकी हिस्सों के लिए एक उदाहरण के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सरकार के आधिकारिक बयानों के साथ–साथ सरमा के सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक भाषणों से भी स्पष्ट है। शुक्रवार को, उन्होंने कहा कि असम ने लोगों को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं, जैसे बिना रिश्वत के 1.5 लाख नौकरियां, छात्राओं को आर्थिक सहायता, गरीबों को राशन कार्ड प्रदान करना। उनके दावों की सत्यता पर अभी भी कोई निर्णय नहीं हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि पड़ोसी राज्य मेघालय के एक भाजपा विधायक सनबोर शुल्लई ने सरमा को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने न केवल सरमा को "पूर्वोत्तर के सभी राजनीतिक नेताओं के लिए एक आदर्श" बताया है, बल्कि "सरमा के मार्गदर्शन में असम द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों" को "बेहद सराहनीय" बताया है। शुल्लई ने वैध दस्तावेजों के साथ व्यापारियों द्वारा मेघालय में मवेशियों के सुचारु परिवहन के लिए मुख्यमंत्री से मदद भी मांगी है। हालांकि, असम में विपक्ष अलग तरह से सोचता है और उसने सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर केंद्र से बार–बार ऋण लेने का आरोप लगाया है, जिससे असम के लोगों पर बोझ बढ़ जाता है।

भागे तानाशाह मगर चैन कहां

सहीराम

दुनिया में यह कैसी भागमभाग मची है जी! कल बांग्लादेश से शेख हसीना भागी थी। अब सीरिया से असद भाग गए। इसके कुछ दिन पहले ही श्रीलंका से राजपक्षे भागे थे। पाकिस्तान वालों का पता नहीं चलता कि वे भागते हैं कि भगाए जाते हैं। वैसे तो सभी भगाए ही जाते हैं, चाहे शेख हसीना हो, चाहे असद हो या फिर राजपक्षे। लेकिन उन्हें जनता भगाती है। पाकिस्तान वालों को उनकी जगह कुर्सी पर आने वाले ही भगाते हैं, जैसे कह रहे हों कि भागो यहां से नहीं तो फांसी पर लटका दूंगा। वैसे ही जैसे नवाज शरीफ को मुशर्रफ ने भगाया था। खैर, अपने यहां की अच्छी बात यह है कि यहां से ठग ही भागते हैं। वैसे तो जो दूसरे भाग रहे हैं, उन्हें भी जनता ठग ही मानती रही है। तो जी सुना है कि इधर गुजरात में कोई छह हजार करोड़ रुपये ठग कर भूपेंद्र झाला नाम का एक और ठग भाग लिया। गुजरात वाले साल दो साल में ऐसे कारनामे कर ही लेते हैं। जी नहीं, बात सिर्फ नीरव मोदी या मेहुल चौकसी की नहीं हो रही, संदेसरा की भी हो रही है और अब तो झालाजी भी आ गए हैं। इन ठगों की अच्छी बात यह है कि वे छोटी–मोटी ठगी नहीं करते हैं। वे चिंदी चोर नहीं हैं। हजारों–करोड़ का बड़ा हाथ मारते हैं जमके। ताकि विदेशों में बैठकर ठीक–ठाक अपना गुजारा कर सकें–विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी की तरह। खैर जी, इधर सीरिया से असद भाग गए हैं। थोड़े दिन पहले बांग्लादेश से शेख हसीना भागी थी। कहते हैं यह भी तानाशाह थे, वो भी तानाशाह थी। तानाशाहों के डर से पहले जनता भागती है और फिर जनता के डर से तानाशाह भागते हैं। अब भागकर तानाशाहों को तो कहीं न कहीं शरण मिल ही जाती है। बस जनता को ही राहत नहीं मिलती। अब बांग्लादेश को ही देख लो। बांग्लादेश की जनता को कहां राहत मिल रही है। नोबल पुरस्कार विजेता को गद्दी पर बिठाने के बावजूद मार–काट मच गयी न। जमाते इस्लामी जैसे कट्टरपंथियों को छूट मिलेगी तो यही होगा जी। सीरिया की जनता को भी कहां राहत मिलने वाली है। असद को भगाकर जो आए हैं, हैं तो वे भी जिहादी ही। अल–कायदा से निकले हुए। कभी अफगानिस्तान में नजीबुल्लाह को फांसी पर लटकाए जाने से लोग खुश हुए थे। लेकिन उनसे बदले मिले तालीबानी। अब असद के बदले कौन मिलेगा, क्या पता–कोई तालिबानियों और जमाते इस्लामी जैसा ही मिला तो फिर क्या मिला। इससे अच्छा तो श्रीलंका वाले ही रहे। वोट डालकर सरकार तो बना दी–चाहे वामपंथियों की ही बनायी।

सांता अंकलजी, जल्द ही हमारे लिए कुछ अच्छा उत्साह लाएँ!

आदित्य

बस दो सप्ताह का समय बाकी है, इससे पहले कि थका हुआ, दुनिया से थका हुआ सांता कालिख से लथपथ चिमनी से नीचे गिरता हुआ आए। भारत में, उसे उस भारी प्रयास से बचा लिया जाएगा, क्योंकि दिल्ली वैसे भी एक विशाल चिमनी है। वह सब कुछ हवाई जहाज से गिरा सकता है और अपनी स्लेज को दूसरे शहरों में ले जा सकता है। यह प्रिय सांता के लिए एक कठिन, मुश्किल साल रहा है, जैसा कि हममें से अधिकांश के लिए... डोनाल्ड ट्रम्प को छोड़कर। यहाँ अपने देश में, हम एक साथ कई मोर्चों पर आग बुझाने में लगे हैं और ऐसा नहीं लगता कि हम सामुदायिक क्रिसमस कैरोल गायन के दौरान जॉय टू द वर्ल्ड गाएंगे, हालाँकि भगवान निश्चित रूप से जानते हैं कि हमारी वर्तमान आनंदहीन दुनिया 2025 में बहुत अधिक श्खुशीश् और बहुत कम श्गमश् के साथ हो सकती है। अमेरिका के प्रमुख शब्दकोश मेरियम–वेबस्टर द्वारा श्वर्ष का शब्दश् घोषित किया गया (श्कुछ ऐसा जिस पर सभी सहमत हैं ... अरे, वास्तव में नहीं, प्रिय वेबस्टर!) थोड़ा बहुत पूर्वानुमानित। इतिहास में दुनिया कब ध्रुवीकृत नहीं हुई है? अगर संदर्भ सिर्फ ट्रंप और हैरिस और 2024 के अमेरिकी चुनावों से है... हेलो मेरियम–वेबस्टर... अमेरिका से परे भी धरती पर जीवन है! और वहाँ आठ अरब से ज़्यादा लोग हैं जो इस बात से ग्रस्त नहीं हैं कि अमेरिकी क्या महसूस करते हैं, क्या सोचते हैं या क्या करते हैं। जैसे लुइगी मैंगियोनी द्वारा यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की निर्मम हत्या। इस घिनौनी कहानी का एक अस्पष्ट देसी कनेक्शन है। मैंगियोनी के पसंदीदा उद्धरणों में से एक थारू श्एक गंभीर रूप से बीमार समाज में अच्छी तरह से समायोजित होना स्वास्थ्य का कोई माप नहीं है।श् ये दार्शनिक, पंथ गुरु जिद्दू कृष्णमूर्ति के शब्द हैं। विडंबना यह है कि ये शब्द न केवल 26 वर्षीय येल स्नातक की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर अमेरिकी समाज की स्थिति को भी दर्शाते हैं। संभावना है कि लुइगी को एक लोक नायक में बदल दिया जाएगा और उसके काम की प्रशंसा की जाएगीरू एक पेशेवर श्सूटश् को मारना, जिसे एक ऐसी कंपनी का नेतृत्व करने के लिए रखा गया था जिसने वर्षों से लाखों भरोसेमंद लोगों को निराश किया। खैर, दुनिया भर में बीमा कंपनियाँ कुटिल तरीके से काम करती हैं। बहुत कम ही ऐसे लोग होते हैं जिन्हें कभी वादा किया गया भुगतान मिलता है। अधिकांश को धोखा दिया जाता है। और फिर भी, हममें से कितने मूर्ख और भोले हैं जो घोटालेबाज बीमा एजेंटों को और भी अमीर बनाने के लिए भारी वार्षिक प्रीमियम का भुगतान करना जारी रखते हैं? श्अमेरिका को फिर से गुजराती बनाओ सबसे नया श्मजाकश् है जो चल रहा है। ट्रम्प की नवीनतम नियुक्ति के अनुसार इसे श्अमेरिका को फिर से खालिस्तानी बनाओश् से भी बदला जा सकता है। चंडीगढ़ में जन्मी कैलिफोर्निया की वकील हरमीत कौर ढिल्लों न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की प्रमुख होंगी। विवादास्पद ढिल्लों (रिपब्लिकन पार्टी की रैली में अरदास पढ़ने के बाद उन्हें नस्लीय हमलों का सामना करना पड़ा), को खालिस्तानी समर्थक बताकर नामांकित करके ट्रम्प ने कई भारतीय समर्थकों को नाराज कर दिया है, जिन्होंने कहा था कि ढिल्लों ने एक बार भारत को श्सोवियत–ग्राहक राज्यश् के रूप में वर्णित किया था। सुश्री ढिल्लन, आप जिस देश को दो साल की उम्र में छोड़कर चले गए थे और जहाँ आपके पिता ने डॉक्टर की योग्यता प्राप्त की थी, उसके बारे में यह सबसे दोस्ताना टिप्पणी नहीं है। "अमेरिका को फिर से गुजराती बनाओ" का तात्पर्य ट्रम्प द्वारा काश ("मुझे कैश कहो") पटेल को एफबीआई के निदेशक के रूप में नियुक्त करने से है, जो लोकप्रिय कल्पना में स्वतंत्र भूमि में असली शो चलाता हैरू यह छायादार, छायादार जासूस हैं जो फैसले लेते हैं। खैर, हमारे काश के लिए उसका काम तय है। उनकी नियुक्ति के बारे में चल रहे मजाक की आखिरी पंक्ति हैरू श् आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय आगंतुक, जिनका अंतिम नाम पटेल है, उन्हें वीजा जाँच से छूट दी जाएगी।" कुछ अन्य चुटकुले भी बहुत मजेदार हैं, जैसे कि वह जो कहता है कि काश सभी फील्ड एजेंटों को केवल मोटल 6 में रहने का निर्देश देगा – काश के होटल के पास उनमें से 1,500 हैं। संभावित रूप से संदिग्ध या खतरनाक स्थितियों में हास्य देखना अच्छा है। यूक्रेन में खूनी (शब्दों का इस्तेमाल!) युद्ध जारी है। और अब हमें सीरिया की भयावह स्थिति का सामना करना है, जिसमें हमारे कुछ साथी नागरिकों को दमिश्क से निकालकर लेबनान भेजा जा रहा है, और फिर घर वापस जाना है। असद को उखाड़ फेंकना और उसकी सिर कटी मूर्तियों पर नाचना उन उत्पीड़ित सीरियाई लोगों के लिए बहुत जरूरी खुशी लेकर आया, जिन्हें 30 साल तक असद के अत्याचार को सहने के लिए मजबूर होना पड़ा था। अब जबकि असद पुतिन की गोद में है, तो कोई भी उसे छू नहीं सकता। मुझे हमेशा इस बात पर हैरानी होती है कि ऐतिहासिक रूप से तानाशाह कैसे सबसे सहजे आसानी से भाग जाते हैं। वे हमेशा उस देश से जल्दी से जल्दी निकल जाते हैं, जिस पर उन्होंने बेबाक क्रूरता के साथ शासन किया है। तानाशाहों के लिए आराम से भागने और दूसरे तानाशाहों द्वारा दी जाने वाली शरण लेने के लिए किस तरह की "सेटिंग" शामिल है? जब उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, तब भारी हथियारों से लैस विद्रोही कहाँ थे? ऐसा कैसे हुआ कि उन्होंने हवाई अड्डों को सील नहीं किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बुरे लोग भाग न सकें? ऐसे महत्वपूर्ण समय में खुफिया विफलता के बारे में क्या? या यह भोली सोच है? शायद यह हमेशा से ही एक लेन–देन रहा है, और विद्रोही नेताओं ने ट्रक भर रूबल और बहुत कुछ के बदले में राक्षस को देश से बिना किसी नुकसान के जाने दिया। मध्य पूर्व को हमेशा के लिए उबाल पर रखना दशकों से एक कुख्यात महाशक्ति रणनीति रही है। आज सीरिया है... कल किसकी बारी होगी? इस समय हमारे अपने घर में ही, हम दीदी के भारत ब्लॉक का नेतृत्व करने की संभावना से घबरा रहे हैं। क्या हम इतने हताश हैं? शरद पवार द्वारा ममता बनर्जी का समर्थन करने के ठीक बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव द्वारा ममता बनर्जी का समर्थन करना नागरिकों की रातों की नींद हराम कर रहा है। भले ही विकल्प कहीं अधिक खराब दिखाई दे! राहुल गांधी ने अपनी विविध टीम को इस ज्ञापन को नजरअंदाज करने की सलाह दी है और इसे सहयोगियों द्वारा "दिखावा" बताया है। समझ में आता है। यह साल का वह समय है जब राहुल बाबा बहुत जरूरी आराम और विश्राम के लिए निकल पड़ते हैं। गस्टाड? सेंट मोरित्ज़? ऐसी जगहें जहाँ राहुल जरूरी राहुल हो सकते हैं – पुराने राहुल। हमें गुच्ची लोफर्स की याद आती है, भाई। साल के अंत की सूचियों का समय आ गया है। किसी को भी याद नहीं रहता कि किसने कौन सी सूची बनाई। लेकिन सूचियाँ हमारी गंभीर दुनिया में हल्कापन प्रदान करती हैं। "बहुत विनम्र, बहुत सावधान" होना कुछ समय के लिए सभी के बीच चर्चा का विषय था, हमारे देसी सेलेब्स अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों से प्रेरित होकर कॉपीकैट रील पोस्ट कर रहे थे। "इसका क्या मतलब है?" पर टॉप ट्रेंडिंग एक नवजात लड़के के लिए एक अनोखा, उच्चारण न किया जा सकने वाला नाम था —— अकाय। मुझे यकीन है कि विराट और अनुष्का कोहली के बेटे के नाम का गहरा और गूढ़ अर्थ है। लेकिन हम अनजान हैं। फिर से, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की खुशी की गुलाबी किरण का नाम श्दुआश् रखा गया है। और नहीं, गायक दुआ लिपा को श्रद्धांजलि के रूप में नहीं, जिनका मुंबई में फीका संगीत कार्यक्रम प्रशंसकों के अनुसार निराशाजनक था। स्टार किड का नाम एक आशीर्वाद का मतलब है। वह बेबी दुआ निश्चित रूप से ... अपने खूबसूरत माता–पिता के लिए ... और बॉलीवुड के लिए है! मेरी क्रिसमस, पाठकों! इस प्रकार इमाके के साथ नहीं, बल्कि एक हैशटैग के साथ!

आईएमए पदाधिकारियों ने नव स्थापित बांग्लादेश मे हो रही हिंसा के प्रति विरोध जताकर राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या।सोमवार को ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन अयोध्या के पदाधिकारियों ने इस समय नव स्थापित बांग्लादेश के शासन तंत्र में भारतवंशी एवं अल्पसंख्यक निरंतर प्रताड़ित किए जाने के चलते विरोध करते हुए आक्रोश व्यक्त किया।इस मौके पर संगठन की अध्यक्ष डाक्टर मंजूषा पांडेय व अन्य पदाधिकारियों ने एक मत होकर इसका विरोध करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित नायब तहसीलदार व एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह के माध्यम से ज्ञापन सौपा। इस मौके पर एसोसिएशन की अध्यक्ष डाक्टर मंजूषा पाण्डेय ने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है उसकी जितनी निंदा की जाए कम है।इसके लिए केंद्र सरकार वह संयुक्त राष्ट्र संघ को यहां पर शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।उन्होंने कहा कि उस देश मेरे आज हिंदुत्व खतरे में है।उन्मादी कट्टरपंथियों द्वारा उनकी हत्याए की जा रही है या धर्मांतरण का प्रयास किया जा रहा। उन्होंने कहा कि जिस तरह रामनगरी में सर्व धर्म की समानता दिखती है इस तरह वहां पर भी होना चाहिए।इस मौके पर उनके अलावा संगठन के अन्य पदाधिकारी ने एक मत में नव स्थापित बांग्लादेश में हो रहे ह्रदय विधायक घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि वहां पर घायल अल्पसंख्यक समुदाय के लोगो का इलाज या सुरक्षा की संवेदना रखने पर वहाँ के चिकित्सकों पर भी आक्रमण किए जा रहे। जो काफी निंदनीय घटना है। वहाँ की सरकार इसको बढ़ावा दे रही या फिर लाचार है।भारत सरकार एवं संयुक्त राष्ट्र संघ को इन गंभीर मुद्दो पर प्रभावी और उचित भूमिका निभाना चाहिए।जिसके चलते वहां पर हो रहे षअत्याचार और हिंसा पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। वहाँ पूर्ण शांति और सुरक्षा की व्यवस्था हो।अयोध्या आईएमए वहाँ कार्यरत चिकित्सकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित किए जाने के लिए सभी का ध्यान आकृष्ट करना चाह रहा है।इस मौके पर चिकित्सकों मे डी के झा, के एस मिश्रा,एफबी सिंह, वी के गुप्ता, रजनीश वर्मा,सतेंद्र सिंह,के एन कौशल, आर सी अग्रवाल, संजय पांडेय,पीडी त्रिपाठी,पल्लवी श्रीवास्तव, पीयूष, गौरव श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह, शालिनी, आर के शुक्ला, विवेक, दीपशिखा, एपी तिवारी, सुजय,, सविता,एचबी शुक्ला,ए के राय,आर एस पाण्डेय,आर पी एन सिंह,अतुल वर्मा,जी के पाण्डेय,सुषमा सहित एसोसिएशन के कई चिकित्सक मौजूद रहे।

लखनऊ व्यापार मण्डल ने राज्यकर आयुक्त वैट को दिया ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मण्डल के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने राज्यकर आयुक्त वैट उत्तर प्रदेश से मुलाकात कर व्यापारियों के साथ हो रहे उत्पीड़न एवं परेशानी से अवगत कराया एवं ज्ञापन सौपा। छोटी–छोटी त्रुटियों पर अधिकारियों द्वारा नोटिस भेज कर परेशान करना रह गया है जब सबकुछ ऑन लाइन पोर्टल पर है तब अधिकारियों के द्वारा मनावीय त्रुटियों पर भी नोटिस भेजी जा रही है। जोकि न्यायोचित नहीं है। हर मानवीय त्रुटि को अधिकारी सन्देहात्कम दृष्टि से देख कर व्यापारी को चोर साबित करने में लगे रहते है जबकि व्यापारी इमानदारी के साथ अपना टैक्स भरता है। ई–बिल में कई बार त्रुटि होने पर व्यापारी को नया ई–बिल बनाना पड़ता है ऐसे में कैन्सिल बिल देख कर नोटिस जारी करना उचित नहीं क्योकि जीएसटी लागू होने के बाद सारी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहती है ई–बिल कैन्सिल होने पर कारण भी दर्शाया जाता है। जीएसटी एक्ट में स्कुटनी उन्हीं लोगों की होती है जिनको कम्प्यूटर साफ्टवेयर अपने आप चिन्हित करता है परन्तु प्रमुख सचिव द्वारा राज्य में अधिकारियों को मौखिक आदेश देकर शत–प्रतिशत स्कुटनी के लिए निर्देशित किये गये है जिससे अधिकारियों द्वारा अंधाधुन्ध नोटिस जारी कर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है जो एक्ट के विपरीत है, राज्य कर के अधिकारियों के द्वारा फैक्ट्री के बाहर डेरा डाले हुए है और कहते है व्यापारी बाहर से माल मंगाने पर चोरी करते है तो चेक पोस्ट किसने समाप्त की हर सीमा पर चेक पोस्ट होती थी विभाग के द्वारा समाप्त किया गया आज व्यापारी के दरवाजे पर पहरा दे रहे है जो कि नाजायज है। यदि अधिकारियों के द्वारा उत्पीड़न इसी तरह होता रहा तो व्यापारी सड़क पर उतरकर आन्दोलन करने को बाध्य होगा।

मुठभेड़ में लुटेरा हिस्ट्रीशीटर प्रतीक उपाध्याय गोली लगने से घायल , गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार भोर में पुलिस के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में लुटेरा हिस्ट्रीशीटर प्रतीक उपाध्याय को गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर व चोरी की एक बाइक बरामद किया है। अभियुक को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र द्वारा चोरी व संगीन अपराध रोकने के दृष्टिगत इटहरा तिराहा पर चेकिंग की जा रही थी। तभी प्रतापगढ की तरफ से एक व्यक्ति मोटर साइकिल से तेजी से आ रहा था। प्रभारी निरीक्षक टीम के द्वारा रोकवाने का प्रयास किया गया तो संदिग्ध व्यक्ति मछलीशहर से जौनपुर कि तरफ तेजी से भागा प्रभारी निरीक्षक द्वारा कन्ट्रोल रुम से आस पास के थानो से घेरा बन्दी करने हेतु सूचना दिया गया ।इस सूचना पर थानाध्यक्ष मछलीशहर त्रिवेणी सिंह अपने हमराहियों व थानाध्यक्ष पवारा प्रियंका सिंह अपने अपने थानो से चल दिये और घेरा बंदी किए। रामनगर बेलवार रोड पर संदिग्ध व्यक्ति द्वारा भागने में असफल होने व पकड़े जाने के डर से पुलिस वालो के ऊपर जान से मारने की नियत से फायर किया गया जिसकी जबावी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक मुगराबादशाहपुर व थानाध्यक्ष मछलीशहर मय टीम के साथ सुरक्षार्थ फायर किया गया तो संदिग्ध व्यक्ति के बाँये पैर में गोली लगी है मौके पर पुलिस बल द्वारा पहुचकर संदिग्ध व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम प्रतीक उपाध्याय (24)पुत्र देवमणि निवासी ग्राम अल्लैया सतहरना थाना सुजानगंज होना बताया। उसके खिलाफ विभिन्न स्थानों में दर्जन अपराधी मामले दर्ज हैं।गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए उसे जेल भेजा जा रहा है।

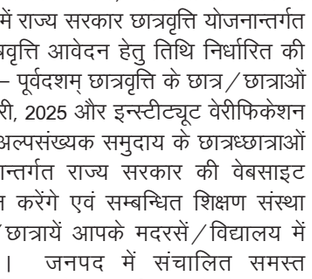

दो थानों की संयुक्त पुलिस टीम की मुठभेड़ में चार गो तस्कर गिरफ्तार एक को लगी गोली

गिरफ्तार आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस, पिकअप वाहन, 1300 नकद रुपए और दो गौवंश भी बरामद किया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खुटहन और सरपतहाँ थाने की संयुक्त टीम ने रविवार भोर में मुठभेड़ के दौरान चार गौ तस्करों को गिरफ्तार किया है

पुलिस और गौ तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक गौतस्कर के पैर में गोली भी लगी उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया इस दौरान एक गोली खुटहन थानाध्यक्ष के बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी और वो बाल बाल बचे।गिरफ्तार आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस, पिकअप वाहन, 1300 नकद रुपए और दो गौवंश भी बरामद किया गया । इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि खुटहन थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह पुलिस टीम के साथ खुटहन चौराहे पर चेकिंग कर रहे थे । तभी सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन पर गौवंश लादकर गौतस्कर पट्टीनरेन्द्रपुर की तरफ से खुटहन की तरफ जा रहे हैं और थानाध्यक्ष सरपतहां मनोज कुमार सिंह हमराहियों के साथ पीछा कर रहे हैं । थानाध्यक्ष खुटहन ने पट्टीनरेन्द्रपुर रोड पर सेवई नाला के आगे रसूलपुर में बदमाशो की घेराबन्दी की । पुलिस वालों को देखकर बदमाश गाड़ी से उतर कर फायर करते हुए भागने लगे । एक गोली थानाध्यक्ष खुटहन के पहने हुए बुलेट प्रूफ जैकेट में जा लगी । जवाब में थानाध्यक्ष सरपतहां ने फायर किया । गोली राहुल यादव (22) पुत्र तहसीलदार यादव निवासी तालाबेला थाना चोलापुर (वाराणसी) के पैर में लगी । पुलिस ने वाहन से उतरकर भाग रहे बदमाशों आजाद यादव पुत्र चन्द्रजीत यादव निवासी मझगवा कला थाना जलालपुर (जौनपुर), उस्मान पुत्र अकरम निवासी सैदगोरारी थाना खेतासराय और अरमान पुत्र गुलाम निवासी सैदगोरारी थाना खेतासराय को गिरफ्तार कर लिया ।घायल राहुल यादव को अस्पताल ले जाया गया । उसके खिलाफ पहले से ही जौनपुर, वाराणसी, चंदौली जिलों के थानों में मुकदमे दर्ज हैं ।

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए कराए फार्मर रजिस्ट्री : डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जनपद के किसानों का आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है, इसके लिए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा रोस्टर जारी कर जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जा रही है, इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा सदर तहसील के प्राथमिक विद्यालय बशीरपुर विकास खण्ड क्षेत्र सिरकोनी में एग्री स्टैक योजनान्तर्गत कराए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कर दी जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर, खेत का रकवा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा, पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मन निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बशीरपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय आने के लिए रास्ता ठीक कराए। जिलाधिकारी ने बच्चों से संवाद किया। उन्होने निर्देश दिया कि बच्चों की उपस्थिति बढाई जाए। मिड डे मील के अर्न्तगत निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक भोजन दिया जाए। इसके साथ ही उन्हे खाने में हरी और मौसमी सब्जियां दी जाए। उन्होने शिक्षको को निर्देश दिया कि बच्चों में पढाई के अलावा संस्कार, नैतिक शिक्षा कि जानकारी दी जाए। इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय, उप परियोजना निदेशक आत्माध्जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर डा0 रमेश चंद्र यादव, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, लेखपाल, पंचायत सहायक आदि मौजूद रहे।

छात्रवृति आवेदन के लिए तिथि।निर्धारित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद स्थित समस्त मदरसों/शिक्षण संस्थाओं एवं अल्पसंख्यक छात्र/छात्राओं को अवगत कराया है कि शैक्षणिक सत्र 2024–25 में राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पूर्वदशम् छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति आवेदन हेतु तिथि निर्धारित की गयी है, जिसका विवरण इस प्रकार हैः– पूर्वदशम् छात्रवृत्ति के छात्र/छात्राओं के आवेदन की अंतिम तिथि 13, जनवरी, 2025 और इन्स्टीट्यूट वेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 20, जनवरी, 2025 अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रछात्राओं हेतु राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत राज्य सरकार की वेबसाइट scholarships-up-nic-in पर आवेदन करेंगे एवं सम्बन्धित शिक्षण संस्था यह ध्यान देंगे कि सम्बन्धित छात्र/छात्रायें आपके मदरसें/विद्यालय में नियमित रूप से अध्ययनरत हों। जनपद में संचालित समस्त अनुदानित/मान्यता प्राप्त मदरसों/विद्यालयों /महाविद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य/प्राचार्यगण एवं अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को अवगत कराया है कि राज्य सरकार की वेबसाइट scholarships-up-nic-in पर उपलब्ध साफ्टवेयर में दी गयी व्यवस्था व निर्गत समय सारणी के अनुसार छात्रवृत्ति हेतु समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कर ली जाए।

केला रेशा से बन रही राष्ट्र हित मे विकास की डोर

डी के डेकाटे

अयोध्या। सोमवार को नाबार्ड के सहयोग से ओंकार सेवा संस्थान द्वारा अमानीगंज विकास खंड के पूरे दला में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ नाबार्ड के उपमहाप्रबंधक डी टी डेकाटे ने किया।बताते चले कि इस वर्ष 16 मार्च से 10 जून तक अमानीगंज विकास में नब्बे महिला को केला रेशा से विभिन्न प्रकार के घरेलू उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।प्रशिक्षण के उपरांत निरंतर महिलाएं समान बना रही जिसकी बिक्री संस्था के द्वारा की जा रही है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नाबार्ड के उपमहाप्रबंधक ने महिलाओं को लखपति दीदी बनने की सलाह देते हुए बाजार बिकने योग्य उत्पाद बनाने की सलाह दी ।नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक कमलेश यादव ने कहा कि अयोध्या वैश्विक स्तर पर पर्यटन का केंद्र बन चुका हैं प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख लोग अयोध्या आ रहे है।उनकी पसंद को दृष्टिगत रखते हुए शीघ्र ही नाबार्ड अयोध्या एक दुकान खोलने जा रहा है । कार्यक्रम में आचार्य नरेंद्र कृषि एव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर गरिमा सिंह ने महिलाओं को केला के रेशा से राखी है।बैग तथा वाल हैंगिंग बनाना सिखाया।कार्यक्रम समन्वयक सूर्य कर त्रिपाठी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यूरोपीय देशों में केला रेशा निर्मित उत्पादों की काफी मांग है हम लोग प्राकृतिक रेशा से जी उत्पाद बना रहे हैं उसमें किसी भी प्रकार के रसायन का प्रयोग नहीं करते है तथा उसे रंगने के लिए रासायनिक रंग की जगह फूल द्वारा रंगाई करते है । रासायनिक रंग हमारी त्वचा के लिए बहुत हानिकारक होते है जैसे अनेकों प्रकार की बीमारी होने का खतरा बना रहता है।आज के कार्यक्रम में प्रीति सिंह,मिथिलेश,गीता सिंह ,अनीता तिवारी , संगीता मौर्य , नीलू , कामिनी तिवारी,आरती मौर्य,नीलम सहित लगभग सौ से अधिक महिलाएं तथा संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

सम्मिलित राज्यध्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) के लिए डीएम एसपी ने लिया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सम्मिलित राज्यध्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा–2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि 22 दिसम्बर 2024 को जनपद में दो सत्रों में परीक्षा आयोजित की जानी है। उक्त परीक्षा का समय पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे एवं अपरान्ह 02:30 बजे से 04. 30 बजे तक निर्धारित की गयी है जिसके लिए कुल 34 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जनपद में लगभग कुल 15744 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा नकल विहीन, शुचितापूर्ण एवं निर्भय तथा शान्तिमय वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत 34 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 04 जोनल मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगायी गयी है। जिनको कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, प्रवेश निकास प्रबन्धन की जांच की उचित व्यवस्था की जाए। सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहने चाहिए। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश से पहले संघन तलाशी ली जाय, जिससे प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा हाल में न ले जायी जा सके। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि आयोग के द्वारा दिये गये निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए। परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वालों पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित केन्द्र प्रभारी व अन्य उपस्थित रहे।

चकबंदी राजस्व विभाग की मिली भगत 20 वर्ष पुराने मकानो की लगी मालियत

दूसरे चकदारो की खतौनी हुई दर्ज मजिस्ट्रेट ने जांच के दिये आदेश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जानाबाजार दशकों से दुकान बनाकर सिहोरिया बाजार में व्यवसाय कर जीवन यापन करने वाले तीन दर्जन से ज्यादा व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। जब उन्हें पता चला कि बैनामे की उनकी निजी भूमि अब दूसरे के नाम दर्ज हो गई । इसके पीछे चकबंदी राजस्व विभाग की मिलीभगत होना मान रहे है। इसी के चलते कई अधिकारियों के आदेश भी रद्दी की टोकरी में चले गए है। पीड़ितो ने अपनी समस्याओं को लेकर मजिस्ट्रेट के पास पहुंचे । न्यायिक मजिस्ट्रेट ने जांच कमेटी गठित करके समस्याओं का निस्तारण का आदेश राजस्व निरीक्षक को दिया।प्रकरण थाना क्षेत्र हैदरगंज के सिहोरिया बाजार निवासी व्यवसायी फूलकली पत्नी राम तीरथ, बाबूराम पुत्र राम जी, ज्योति पत्नी राम लौट ,सोमनाथ, राम उजागीर, रमेश कुमार पुत्र रामू उजागीर, अनंत राम, उमा देवी पत्नी किशन देव, कृष्णा देवी पत्नी अमरनाथ, सुरेश कुमार पुत्र छबिलाल, शिवप्रसाद पुत्र रामअचल ,बाबूलाल, जगनारायण, गणेश आदि सहित कुल चालीस से ज्यादा व्यवसायी हैं। जो क्षेत्र के विभिन्न गांव पंचायतो के निवासी हैं । इन्हों ने वर्ष 2005, 6 के आसपास चौरे बाजार हैदरगंज सड़क के किनारे सिहोरिया बाजार मे आबादी व्यवसायिक प्लांट के रूप में तात्कालिक गाटा संख्या 797 परसराम उर्फ दासु पुत्र कलपू निवासी ग्राम बैतीकला से रजिस्ट्री बैनामा कराकर अपना मकान दुकान बनाकर व्यवसाय करते चले आ रहे हैं। जिसमें लगभग 15 लोगों ने बैनामे की दाखिल खारिज भी करा ली है। और लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। परंतु दाखिल खारिज नहीं करा पाये। इसी बीच चकबंदी अधिकारियों ने आवासीय जमीन की मालीयत लगाकर उनके दुकानों मकानो पर दूसरे का चक बना दिया। इसकी जानकारी होने पर व्यवसाईयों ने सी ओ चकबंदी के यहां मुकदमा दायर कर मालियत निरस्त करने का आदेश पारित कराया था। व्यवसाईयों के नाम चकबंदी के अन्य कई अभिलेखों में भी दाखिल हैं चकबंदी के बाद राजस्व की खतौनी में अब मौजूदा गाटा संख्या 1698 दर्ज हो गई है और दूसरे चकदार राम अजोर अन्य के नाम खतौनी दर्ज हो गई । जिसकी जानकारी होने पर इन व्यवसाईयों में हड़कंप मच गया । और कई लोगों ने इसे राजस्व चकबंदी की मिलीभगत होना बताया । पीड़ितो ने अपनी समस्या को लेकर न्यायिक मजिस्ट्रेट बीकापुर बृजेश कुमार के पास पहुंचकर आप बीती सुनाई ।मजिस्ट्रेट ने कानूनगो विजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित करके जांच रिपोर्ट तलब की है।

दिवंगत प्रशासनिक अधिकारी की आत्मा की शान्ति के लिए रखा गया मौन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में दिवंगत प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद इदरीश को श्रद्धांजली दी गयी तथा शोक व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने शोक सन्देश पढ़ा तथा कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया किया कि मृतक अधिकारी के परिवार को नियमानुसार सभी देयक प्रदान करने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्रवाई एक माह में पूरी की जाये। यदि कोई विधिक उत्तराधिकारी मृतक कोटे से नौकरी पाने का पात्र हो तो इस सम्बन्ध में भी नियमानुसार कार्रवाई की जाये।ज्ञात हो कि प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद इदरीश का आज सुबह लखनऊ के सहारा अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी पूनम भाष्कर व कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कारागार में महिला बन्दियों को शीत ऋतु से बचाव हेतु ऊनी वस्त्रों का वितरण किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अधीक्षक जिला कारागार जौनपुर ने बताया कि 15 दिसम्बर 2024 को अंकिचन फाउंडेशन जौनपुर के अध्यक्ष डा० अमरनाथ पाण्डेय एवं प्रमुख सहयोगी सपना अग्रहरी, राजा अग्रहरी, श्रद्धा श्रीवास्तव एवं रेनू द्वारा कारागार में निरूद्ध महिला बन्दियों को शीत ऋतु से बचाव हेतु ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। साथ ही 'आर्ट ऑफ लिविंग' संस्था के जौनपुर इकाई द्वारा कारागार में 15 दिसम्बर 2024 से 21 दिसम्बर 2024 तक एक सप्ताह के योग शिविर का आयोजन किया गया है। योग शिविर के प्रथम दिवस पर बन्दियों को योग के महत्व को बताते हुये योग कराया गया।

दिसम्बर 2024 तक एक सप्ताह के योग शिविर का आयोजन किया

जौनपुर । अधीक्षक जिला कारागार जौनपुर ने अवगत कराया है कि श्री श्री रविशंकर महराज जी द्वारा गठित 'आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के जौनपुर इकाई द्वारा जिला कारागार जौनपुर में 15 दिसम्बर 2024 से 21 दिसम्बर 2024 तक एक सप्ताह के योग शिविर का आयोजन किया गया है। योग शिविर के प्रथम दिवस पर योग प्रशिक्षण सतीश सेट्ठी द्वारा बन्दियों को कनिष्ठ प्राणयाम व भस्त्रिका प्राणायाम कराया गया। उनके सहयोग में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक अखिलेश चतुर्वेदी, अनुप सिंह एवं वालिंटियर संदीप चौधरी उपस्थित रहें। बन्दियों को श्वास के महत्व के बारें में बताया गया। बन्दियों द्वारा हर्ष एवं उत्साह के साथ योग शिविर में प्रतिभाग किया गया साथ ही जेल अधीक्षक डा० विनय कुमार द्वारा स्वयं योग किया गया। संस्था से आये प्रशिक्षकों द्वारा बन्दियों को योग के महत्व को गहनता से बताया गया। इस अवसर पर प्र० कारापालध्उप कारापाल धर्मेन्द्र सिंह, सुभाष चन्द्र पाण्डेय उप कारापाल, श्रीमती सुषमा शुक्ला उप कारापाल, प्रदीप कुमार अस्थाना शिक्षाध्यापक, लालजीत यादव हेड जेल वार्डर व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें। जेल अधीक्षक डा० विनय कुमार द्वारा संस्था से आये प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया।

बहुजनों की एकता का संदेश दे गया सामाजिक न्याय महासम्मेलन

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर । रविवार 15 दिसंबर को शहर के तिकोनिया पार्क में एक दिवसीय सामाजिक न्याय महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। भारतीय संविधान एवं वर्तमान चुनौतियां एक व्यापक विमर्श' विषय पर बुद्धिजीवियों ने अपना–अपना विचार प्रस्तुत किया।सम्मेलन में वक्ताओं ने बहुजनों की एकता का संदेश दिया। पाखंडवाद ,धार्मिक उन्माद ,ईवीएम पर वक्ताओं ने जमकर हमला बोला तथा संविधान को बचाने के लिए शिक्षा पर जोर देते हुए एकजुटता का आह्वान किया। कार्यक्रम को सर्वप्रथम संदीप कुमार (प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय) ने संबोधित किया। शिक्षा पर बल देते हुए उन्होंने बहुजनों को एकजुटता का पाठ पढाया। अवधेश कुमार (अध्यक्ष राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद, लखनऊ) ने आरक्षण और निजीकरण पर हमला बोला। कहाकि एक तरफ मौजूदा सरकार "एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे" का नारा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ आरक्षण समाप्त करने के लिए जातियों में वर्गीकरण किया जा रहा है। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से सावधान रहने की जरूरत है। प्रख्यात पत्रकार नीरज पटेल ने ओजपूर्ण शैली में पाखंडवाद और अंधविश्वास पर तीखा प्रहार किया। कहाकि सामाजिक न्याय महासम्मेलन का असली मकसद तभी सफल होगा, जब यहां शामिल बहुजन लोग आपस में रोटी–बेटी का संबंध जोडेंगे। मुख्य वक्ता लेखक एवं चिंतक डॉ. लक्ष्मण यादव ने अपरोक्ष रूप से भाजपा सरकार की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया। लोगों से कहाकि मनुवादी और सामंतवादी विचाराधारा वाले लोगों से हमे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने चेताया कि वोट में चोरी करके जिस तरह मतदान करने से रोका जा रहा है। अगर यही हालत बनी रही तो वर्ष 2027 के बाद 1990 से पहले का वह दौर लौट आएगा। जिसमें चारपाई तो रहेगी लेकिन बहुजनों को बैठने का हक नहीं मिलेगा ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक चिंतक लौटनराम निषाद, डा. रविकांत प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. राजकरन ने किया। इस मौके पर सुनील कुमार यादव, रामसूरत मौर्य एडवोकेट, राधेकान्त यादव,सुरेश चंद्र वर्मा, जीशान अहमद, ओपी चौधरी, हौंसिला प्रसाद भीम, रमेश चंद्रा, डा. सुभाष गौतम, डॉ जयभीम बौद्ध, श्यामलाल निषाद, पूर्व विधायक सफदर रजा, किसान नेता हृदयराम वर्मा, वीरेंद्र मौर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पृथवीपाल यादव आदि हजारों लोग मौजूद रहे। तिकोनिया पार्क के इर्द–गिर्द बहुजन समाज में जन्मे 84 महापुरुषों की तस्वीर लगाई गई थी। इसके पूर्व मिशनरी गायक सागर जौनपुरी ने अपनी मंडली के साथ बहुजनों को जगाने का कार्य किया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने विशालकाय संविधान की कट आउट बोर्ड पर के सामने खड़े होकर सेल्फी भी ली और बहुजन एकता की क्रांति से संबंधित किताबों की खरीदारी भी की।

जन्मभूमि संस्कार और संस्कृति से जुड़ा रहना आवश्यक कृपा शंकर सिंह

धन की सद्गति दान से ओपी सिंह

सुजानगंज जौनपुर

पढ़ लिख कर बाहर जाना वहां अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से धन अर्जित करना बहुत ही अच्छी बात है लेकिन उसी के साथ–साथ यह भी आवश्यक है कि हम अपने जन्मभूमि संस्कार और संस्कृति से विमुख न हो। उक्त उद्गार बाल्हामऊ निवासी संजय त्रिपाठी के आवास पर चल रही भागवत कथा के अवसर पर आयोजित ब्रह्म महाप्रसाद के पूर्व मुख्य अतिथि के रूप में जौनपुर संसदीय क्षेत्र के भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बाहर जाकर स्थापित होने के बाद लोग अपने जन्मभूमि और संस्कार संस्कृति से दूर हो जाते हैं। इसके पूर्व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि धन तो बहुतों के पास है लेकिन उस धन का सदुपयोग कौन करता है कैसे करता है महत्वपूर्ण यह है । जबकि सच्चाई यह है की धन की सद्गति दान देने में ही है ।उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक विजय शंकर त्रिपाठी, मुख्य यजमान राम शंकर, मनोज शंकर त्रिपाठी विष्णु शंकर आदि के ऐसे कार्यक्रम के लिए भूरि भूरि प्रशंसा की। इसके पूर्व कार्यक्रम को सतीश पांडे,भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा आयोजन के कुल गुरु शिव प्रताप मिश्र विवेक सिंह, अजय शंकर दुबे आदि भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर आयोजक मंडल द्वारा अतिथियों के हाथ 1111 कंबलों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिलेशानंद जी महराज संचालन राम प्रकाश चतुर्वेदी आभार सुशील कुमार मिश्रा ने व्यक्त किया।

15 हजार के शातिर इनामी को किया गिरफ्तार

ब्यूरो सुलतानपुर सुलतानपुर । कूरेभार पुलिस ने 15 हजार के शातिर इनामी को किया गिरफ्तार रोहित दूबे पुत्र बब्बन दूबे निवासी पुरेनिहाल सिंह का पुरवा ढेसरुआ थाना कूरेभार पहुंचा सलाखों के पीछे कूरेभार थानाक्षेत्र

अंतर्गत सेऊर चमुरखा गांव के निकट तालाब के निकट से हुई गिरफ्तारी कूरेभार थाना प्रभारी शारदेंदु दूबे बोले ईनामी के पास से पकड़ा गयाध अवैध तमंचा न्यायालय के आदेश पर की जा रही जेल भेजने की कार्रवाई।

जीआई की नर्स ने चोरी करते नौकरानी को पकड़ा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पीजीआई अस्पताल में संविदा पर तैनात नर्स ने नौकरानी को घर में चोरी करते पकड़ लिया। विरोध पर आरोपी ने नर्स को धक्का दे दिया। उनका गला दबा कर हत्या का प्रयास करने की कोशिश की। घटना में उनकी कमर की हड्डी टूट गई। शनिवार को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीजीआई के पंचम खेड़ा में अपर्णा अवस्थी पति दुर्गेश सिंह व बच्चों के साथ रहती हैं। अपर्णा पीजीआई अस्पताल में संविदा नर्स हैं। बीते मंगलवार को अपर्णा के बच्चे स्कूल व पति कुछ काम से बाहर गए हुए थे। नर्स घर में अकेली थीं। अपर्णा के मुताबिक दोपहर करीब 12.30 बजे वह अपने कमरे में सो रही थीं। तभी खटपट की आवाज आने पर उनकी आंख खुल गई। उन्होंने देखा कि मोहनलालगंज के भोला खुर्द केवली गांव निवासी नौकरानी गुडई उनके कमरे में रखी ।

नोएडा अथॉरिटी के निलंबित अफसर के ठिकानों पर विजिलेंस का छापा

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में नोएडा विकास प्राधिकरण के तत्कालीन ओएसडी रवींद्र सिंह यादव के ठिकानों पर विजिलेंस ने शनिवार को छापेमारी की। टीम उनके नोएडा स्थित आवास और इटावा के स्कूल पहुंची। यहां काफी देर तक छानबीन की। रवींद्र यादव वर्तमान में निलंबित चल रहे हैं। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई। छापेमारी के बाद रवींद्र यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसकी जांचकी जा रही है। छापेमारी में भूखंड, स्कूल, कॉलेज आदि के दस्तावेज बरामद हुए हैं। ये संपत्तियां एटा, लखनऊ, नोएडा व अन्य जगहों की बताई जा रही हैं। छापेमारी में पता चला कि रवींद्र के पास नोएडा में तीन मंजिला मकान है। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपये है। इसके अलावा घर में 37 लाख रुपये के सुख–सुविधाओं का सामान व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगे हैं। छापेमारी में जो संपत्ति बरामद हुई है, उसमें 62 लाख 44 हजार के गहने हैं। साथ ही दो लाख 47 हजार रुपये की नकदी मिली है। टीम रवींद्र के घरवालों से पूछताछ कर रही है। उसके विदेश यात्रा से लेकर अन्य जानकारी जुटा रही है। घर से बरामद इनोवा व क्विड कार की भी जानकारी जुटा रही है। इसके अतिरिक्त विभिन्न बैंकों के छह खातों, पॉलिसियों और निवेश से संबंधी अभिलेख मिले हैं। अलग–अलग स्थानों पर करीब एक दर्जन भूमि खरीदने के भी कागज मिले हैं। मकान से अरिसटोटल वर्ल्ड स्कूल, मलाजनी, तहसील जसवंत नगर (इटावा) के पंजीकरण संबंधी कागजात भी मिले हैं। जांच के दौरान करीब 15 करोड़ संपत्ति के स्कूल का खुलासा हुआ। जो इटावा के जसवंत नगर स्थित अरिसटोटल वर्ल्ड स्कूल है। स्कूल सोसाइटी का अध्यक्ष रवींद्र का पुत्र निखिल यादव है। स्कूल में महंगे उपकरण एवं फर्नीचर लगाए गए हैं। इनकी कीमत दो करोड़ आंकी गई है। स्कूल में 1.04 करोड़ की 10 बसें संचालित हैं। अभी जांच जारी है।

एक तिहाई वक्फ संपत्तियां अवैध, शुरुआती पड़ताल में चौंकाने वाले तथ्य,सार्वजनिक भूमि चढ़ा दी गईं नाम

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में करीब एक–तिहाई से ज्यादा वक्फ संपत्तियां अवैध हैं। राजस्व विभाग की शुरुआती पड़ताल में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। सार्वजनिक भूमि को वक्फ (दान) कर दिया गया, जो नियमानुसार हो ही नहीं सकता था। हाईकोर्ट के आदेश से पूरे प्रदेश में शासन यह जांच करवा रहा है। अभी तक करीब 50 जिलों की रिपोर्ट मिल चुकी है। प्रदेश में वर्तमान में 1.10 लाख वक्फ संपत्तियां हैं, जिनका शासन स्तर से नोटिफिकेशन जारी हुआ है। रेवेन्यु रिकॉर्ड मैनुअल के अनुसार, श्रेणी 1 (क) की जमीन ही वक्फ या बेची जा सकती है। श्रेणी 1 (क) में निजी भूमि दर्ज होती है। कोई भूमि निजी है या नहीं, इसका मिलान 1 जुलाई 1952 के राजस्व रिकॉर्ड से किया जाता है। मैनुअल की श्रेणी (5) और (6) में दर्ज जमीन को वक्फ नहीं किया जा सकता। इन श्रेणियों में बंजर, चरागाह, वन भूमि, तालाब, ऊसर भूमि और ग्राम सभा की सार्वजनिक उपयोग वाली जमीनें आती हैं। ये जमीनें आरक्षित श्रेणी की होती हैं, जिनका प्रबंधन के लिहाज से मालिकाना हक सरकार, ग्राम सभा या अन्य निकायों में निहित होता है। विभिन्न जिलों के प्रशासन की अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 30 हजार संपत्तियां मूलरूप से श्रेणी (5) और (6) में दर्ज हैं। यानी, ये संपत्तियां निजी थी ही नहीं, इसलिए इन्हें वक्फ नहीं किया जा सकता था। सूत्र बताते हैं कि जो कब्रिस्तान ग्राम सभा की भूमि पर हैं, उन्हें भी वक्फ संपत्ति के तौर पर दर्ज करवा लिया गया है। नियमतः ये ग्राम सभा कब्रिस्तान के रूप में दर्ज होने चाहिए। यहां तक कि तमाम स्थानों पर मरघट (श्मशान भूमि) भी वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज हैं, जिसका मुस्लिम धर्म में प्रावधान ही नहीं है। सभी 75 जिलों की रिपोर्ट आने पर गलत ढंग से रिकॉर्ड में चढ़ाई गईं वक्फ संपत्तियों की संख्या 40 हजार से ऊपर जाने की संभावना है। हाईकोर्ट के निर्देशानुसार, शासन स्तर पर इनका परीक्षण करवाकर राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त कराया जाएगा।

एक मुश्त समाधान योजना रजिस्ट्रेशन,बिल जमा मेगा कैंप का हुआ आयोजन खन्ड अभियंता ने विभाग के निजीकरण के विरोध मे विधायक को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतान पुर । बल्दीराय तहसील क्षेत्र के इसौली ग्राम सभा के पंचायत भवन रविवार को विशाल मेगा कैंप का आयोजन हुआ। जिसमे विद्युत् उपभोक्ताओं की बिल संबंधित समस्याओ को निस्तारित करते हुए खंड अभियंता अरुण कुमार यादव द्वारा सराहनीय पहल की गई क्षेत्र के दर्जनो उपभोक्ता कैंप में पहुंच कर अपना बकाया बिल जमा किया। विद्युत् विभाग

के किये जा रहे निजीकरण के विरोध में खन्ड अभियंता ने कैंप में पहुंचे इसौली क्षेत्र के विधायक मो० ताहिर खान को ज्ञापन देते हुए अनुरोध किया कि विभाग के निजीकरण हो जाने पर हजारो कार्मिकों के रोजगार को खतरा उत्पन्न हो जायेगा। इसके साथ साथ विद्युत् उपभोक्ता का बिल कई गुना हो जायेगा। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक से अनुरोध किया कि जनहित में उक्त भावी समस्या का सदन में आवाज उठायें और शासन के इस निर्णय का जोरदार विरोध करके हम कर्मचारियों और जनता का साथ देने की कृपा करें। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि शाकिर अब्बास खंड अभियंता बल्दीराय अरुण कुमार यादव,आरपी यादव खंड अभियंता मीटर,विजय कुमार वरिष्ठ लिपिक,कंप्यूटर ऑपरेटर अमित पाण्डेय,अनिल दीक्षित,यतेंद्र श्रीवास्तव,आशीष मौर्य मीटर रीडर,अंकित यादव, लाइन मैन दुखी राम,अनिल यादव,असद आदि उपस्थित रहे।

स्कूटी हटाने को लेकर हुआ विवाद, आरोपियों ने महिला को पीटा... धक्का देकर गिराया, हो गई मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार रात दो पड़ोसियों में स्कूटी हटाने को लेकर विवाद हो गया। एक पक्ष से बीच–बचाव करने पहुंची महिला को आरोपियों ने धक्का दे दिया। घटना में उनकी मौत हो गई। महिला के बेटे ने आरोपी तीन दंपति समेत तीन के खिलाफ हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। हजरतगंज के नरही में रामशंकर बाजपेई लेन में रामगुनी चौहान (55) पति रमेश चौहान व बेटे सौरभ के साथ रहती थीं। सौरभ नरही बाजार में दुकान चलाते हैं। सौरभ के मुताबिक शनिवार रात वह घर पर थे। रात करीब साढ़े नौ बजे उन्होंने देखा कि उनके घर के सामने पड़ोसी महेश गुप्ता की स्कूटी खड़ी थी। सौरभ ने जब महेश से स्कूटी हटाने को कहा तो वह उसकी पत्नी सिंपल और बहन गुंजा गाली–गलौज करने लगे। विरोध पर आरोपी हाथापाई करने लगे। शोर सुन जब सौरभ की मां रामगुनी घर के बाहर आकर बीच–बचाव करने लगीं। तीनों आरोपी उनसे भी हाथापाई करने लगे। आरोपी है कि तीनों ने उनकी मां को धक्का दे दिया। मां गिरकर बेहोश हो गईं। रामगुनी को बेहोश देख आरोपी दंपति व बहन अपने घर में घुस गए। लोगों की भीड़ जुट गई। सौरभ मां को लेकर आनन–फानन सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव लेकर घर पहुंचे आक्रोशित सौरभ ने हंगामा शुरू कर दिया। लोगों ने घटना की जानकारी हजरतगंज पुलिस को दी। मौके पर एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह, एसीपी हजरगंज विकास जायसवाल व इंस्पेक्टर विक्रम सिंह पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें व अन्य लोगों को शांत कराया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसीपी विकास जायसवाल के मुताबिक मृतका के बेटी की तहरीर पर महेश, उसकी पत्नी सिंपल और बहन गुंजा के खिलाफ मारपीट व लापरवाही के कारण मौत होने की धारा में केस दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सौरभ ने बताया कि आरोपी महेश का भाई कानपुर में पुलिस विभाग में दरोगा के पद पर तैनात है। आरोप है कि आरोपी भाई की धौंस दिखा कर मोहल्ले में दबंगई करता है। वह आए दिन गाली–गलौज व लोगों को प्रताड़ित करता है।

बीआईएस की जांच में खुलासा 15 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार

लखनऊ,(संवाददाता)। बोतलबंद पीने के पानी को उच्च जोखिम की श्रेणी में रखा है। यूपी में इस्तेमाल होने वाले पैकेज्ड पेयजल के 40 फीसदी सैंपल बीआईएस की जांच में फेल हो गए हैं। इसे देखते हुए उत्पादन इकाइयों को पैकेज्ड पेयजल की गुणवत्ता सुधारने की चेतावनी दी। साथ

ही हर महीने सैंपल लिए जा रहे हैं। महाकुंभ के मद्देनजर विशेष निगरानी की जा रही है और अपंजीकृत बोतलबंद पानी बेचने वाली इकाइयों पर छापे मारने की तैयारी की जा रही है। प्रयागराज, बनारस व अयोध्या सहित प्रदेश के तमाम जिलों में बोतलबंद पानी की करीब 450 इकाइयां पंजीकृत हैं। इसके अलावा अपंजीकृत इकाइयों की संख्या लगभग 600 है। फ्लैवर्ड वाटर के नाम से अलग इकाइयां हैं, जो खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कंट्रोल में आती हैं। यूपी में ही बोतलबंद पानी का कारोबार 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का हो चुका है।

पिता के साथ परीक्षा देने जा रही छात्रा को ट्रेलर ने मारी टक्कर मौत पिता गंभीर रूप से हुआ घायल

ब्यूरो सुलतानपुर

थाना क्षेत्र धनपतगंज के हलियापुर कूरेभार रोड पर, ट्रेलर के चपेट में आने से ,बाइक सवार पिता पुत्री गम्भीर घायल हो गए घायलो को प्रा०स्वा०केंद्र० धनपतगंज ले जाया गया जहां डाक्टरो ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया तो अधेड़ पिता को सुल्तानपुर जिला हॉस्पिटल रेफर कर दिया ।शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पंचनामा करवाने के पश्चात शव विच्छेदन हेतु मर्चरी हाऊस भेज दिया ।

बढ़ता जा रहा बिजली निजीकरण के प्रस्ताव पर आक्रोश, पंचायत में निर्णय...होता रहेगा विरोध

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में पूर्वांचल और दक्षिणांचल बिजली निगमों को निजी हाथों में देने का विरोध बढ़ता जा रहा है। ऊर्जा संगठन निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को अभियंता संघ ने विभिन्न कार्यालयों पर शाम को सभाएं कीं तो वाराणसी में बिजली पंचायत हुई। ऑफिसर्स एसोसिएशन ने जनप्रतिनिधियों को पूरे मामले की जानकारी देते हुए उनसे सदन में यह मुद्दा उठाने का अनुरोध किया है। सपा–कांग्रेस व अन्य दलों के नेताओं ने इस मामले को लोकसभा एवं विधानसभा में उठाने का आश्वासन भी दिया है। कार्मिकों ने निजीकरण का विरोध जारी रखने का एलान किया है। पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन की शनिवार को फील्ड हॉस्टल में हुई बैठक में तय किया गया कि निजीकरण का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। क्योंकि निजीकरण के जरिये आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की साजिश हो रही है। पदाधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से भी निजीकरण का विरोध करने की अपील की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिन सांसदों–विधायकों ने पूरे मामले को लोकसभा एवं विधानसभा में उठाने का आश्वासन दिया है, उनका आभार जताया गया। इस दौरान संकल्प लिया गया कि कॉर्पोरेशन प्रबंधन की हर गतिविधि से उपभोक्ताओं और कार्मिकों को अवगत कराया जाएगा। पदाधिकारियों ने नियम विरुद्ध बने मसौदे को एनर्जी टास्क फोर्स में रखने और कैबिनेट में ले जाने की तैयारी पर नाराजगी जताई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष केबी राम, कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, आरपी केन, बिंदा प्रसाद, सुशील कुमार वर्मा, अजय कुमार व प्रभाकर आदि शामिल हुए। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन के पदाधिकारियों ने शनिवार को विभिन्न दलों के नेताओं से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल वल्लभ पटेल ने बताया कि एमएलसी आशुतोष सिन्हा, विधायक सौरभ जायसवाल और राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने आश्वासन दिया है कि इस मसले को सरकार तक पहुंचाएंगे। उपभोक्ता परिषद की ओर से ऊर्जा संरक्षण दिवस पर हुए वेबिनार में उपभोक्ताओं ने बिजली निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेने की मांग की। उपभोक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी कहा था बिजली सस्ती नहीं, बहुत सस्ती हो और हमेशा सरकारी क्षेत्र में होनी चाहिए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी से निजीकरण की शुरुआत हो रही है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि सभी उपभोक्ताओं की बात से पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन को अवगत कराया जाएगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से प्रदेशभर के बिजली कार्यालयों, परियोजना कार्यालयों पर कर्मियों ने विरोध सभाएं की। अभियंताओं ने प्रबंधन के फैसले के विरोध में नारेबाजी की। शनिवार शाम लखनऊ के शक्ति भवन, मध्यांचल सहित अन्य कार्यालयों के सामने जुटे बिजली कार्मिकों ने विरोध जताया। हाइडिल कॉलोनी में कार्मिकों व उनके परिजनों ने भी प्रदर्शन किया।

छात्रवृत्ति हड़पने के दोषी पांच बाबुओं को तीन साल की कैद, 22 साल बाद आया फैसला... जुर्माना भी लगा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सीबीआई की विशेष अदालत ने धोखाधड़ी कर छात्रवृत्ति हड़पने वाले माध्यमिक शिक्षा विभाग के पांच लिपिकों को तीन–तीन साल की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है। ये सजा कानपुर नगर के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के तत्कालीन वरिष्ठ लिपिक कृष्ण कुमार समेत पांच लोगों को दो अलग–अलग मामलों में सुनाई गई है। पहले मामले में तत्कालीन वरिष्ठ लिपिक कृष्ण कुमार और मनोज कुमार द्विवेदी को तीन–तीन साल की कैद और 60 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। वहीं दूसरे मामले में मनोज कुमार द्विवेदी, विनोद कुमार मिश्रा, सुलेमान और प्रेम सिंह उर्फ पूती को तीन–तीन साल की कैद के साथ 1.20 लाख रुपये जुर्माना लगाया है।

की धारदार हथियार से हत्या

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में शनिवार देर रात दुकानों के बाहर सो रहे युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। खून से लथपथ लाश देखकर घरवाले चीख उठे। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोग परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। घटना सदरपुर थाना क्षेत्र के घरथरी चौराहे के पास की है। यहां पर थाना क्षेत्र के ही पट्टीपुरवा धरमपुर गांव निवासी मोहम्मद आरिफ (35) की दुकानें बनी हैं। वह दुकानों के बाहर बरामदे में सो रहे थे। सुबह वह नहीं जगे तो आसपास के लोगों ने पास जाकर देखा। लोगों ने आरिफ को जगाने के लिए रजाई हटाई तो वह खून से लथपथ था। देखकर लोगों के होश उड़ गए। घरवालों और पुलिस को सूचना दी। खबर मिली तो घरवाले रोते बिलखते पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

सीटेट परीक्षा के दौरान पकड़ा गया मुन्ना भाई दूसरे की जगह दे रहा था एग्जाम

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में सीटेट की परीक्षा दूसरे विद्यार्थी के स्थान पर दे रहा मुन्ना भाई गिरफ्त में आया। शहर के गोपाल पब्लिक स्कूल में दूसरे की परीक्षा देते हुए मुन्ना भाई पकड़ा गया। नगर कोतवाली के आवास विकास कॉलोनी क्षेत्र स्थित विद्यालय का मामला है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।